



बिना १००

फीमल आचदाद => मो 33,000) तेतीस हजार रुपया
 खिरेण आचदाद => निम्न तफसील में बर्णित सम्पत्ति

विदिने हे फि देवणर शहर के अन्दर
 प्रोजा भौसागरी में बसोड़ी सत्व की अमीन रकवा
 कम बेसी ५ पांच बिघा १० दस कट्टा की पुनीलाल
 पाल ने दिनांक 28/2/१९४२ ईस्वी में देवणर
 रजिष्ट्री ऑफिस से रजिष्ट्रीकृत खोश केवाला
 दलील (पुस्तक संख्या १ जिरद संख्या ४ पृष्ठ संख्या
 १९३ से १९५ में निबंदिनि जिसकी संख्या २५ वर्ष
 १९४२) के द्वारा विरेन्द्र राय, वैद्यनाथ राय,
 राम नारायण राय पिता स्वर्ण द्वारिका नाथ राय
 लफिनोण रायपुर भागा पीरगंज सबडिविजन रांगपुर
 के निवासी से खरीद किया और उसमे दखल कब्जा
 लेकर उसमे मकानादि बनवाकर तथा बगानादि

सत्यमेव जयते

RES-100-7
 NOTARY PUBLIC NO. 2257
 30/11/2014
 1141



रजिस्ट्री ऑफिस

लगावापर बिस्विवाद रूप से भोग दखल करते रहे,
 उपरोक्त पुनी लाल पाल जी दादा-भागा
 स्कूल ऑफ हिन्दु लॉ से शासित श्री. के प्रबन्धोपरान्त
 उनके पुत्रगाण वी पीलन वारिस सुन से उक्त सम्पत्ति
 के मालिके होकर वी आप्तकारी होकर इजमाल में
 भोग दखल करते रहे,

दिनांक १४/८/१९४५ ई० में दावडा
 रजिस्ट्री ऑफिस से रजिस्ट्रीकृत एक फता बंटवारा
 नामा दलील (पुस्तक संख्या १ अतिद संख्या २७
 पृष्ठ संख्या १२७ से १४६ में निबन्धित सिसेकी संख्या
 १९४३ वर्ष १९४५) के द्वारा अल्लाना सम्पत्तियों
 के साथ उक्त सम्पत्ति का बंटवारा होने पर उपरोक्त
 स्वर्णिग पुनीलाल पाल के एक पुत्र तीन कौडी पाल
 जी उक्त बंटवारा नामा में तृतिग पक्ष है केहिसे
 में उक्त देवप्पर की सम्पत्ति मिली जो उक्त बंटवारा

उत्पत्ती ११

RECEIVED
 DEPT. OF INDIAN HANDS
 HARIANNA

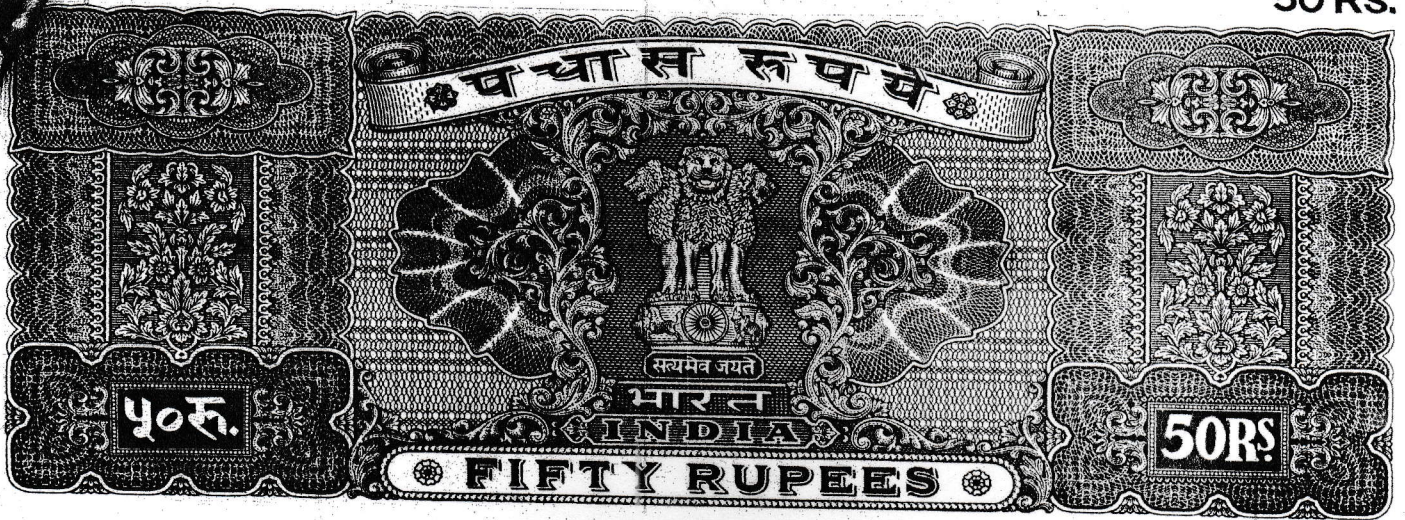


विशेष प्रमाण

दलील में schedule-D property NO-4 वर्णित है,
 उपरोक्त तीन कोठी पाल उक्त अपने
 हिसते देवघर की सम्पत्ति पर अलग खप से हर्षिवाद्
 खप से दखलकार रहते हुए दिनांक १७-१०-१९७४
 ई० में रजिस्ट्री ऑफिस फलकता से रजिस्ट्री कृत
 एक फिरो खोश केवाला दलील (पुस्तक संख्या १
 जिवद संख्या २३१ पृष्ठ संख्या ३१ से ३७ में निबन्धित
 सिपकी संख्या ६४३६ वर्ष १९७४) के द्वारा उक्त
 सम्पत्ति टाउन देवघर के अन्दर मौजा मौलागढ़ी
 में बसोड़ी सख की अमीन टाउन ज्ञान प्लॉट
 न० ७ वी ६ का भांश अन्दर अमावली न० ५६७
 रकवा एकाधिक मापसैकम वैसी ५ पांच बिजा १० दस कड़ा
 मज उसपर डोरमरमतन डरा - फुरा "पुनीकुंज" नामक
 पक्का मफान पैलावा . बगान . वृक्षार्दि कुंजा
 चैहर दिवाली भागुबारा सिद्दुबारा सिपका वार्षिक
 (वजाना ६६) खपता अन्दर हलका देवघर नगर

सत्यमेव जयते

ATTESTED
 657
 NOTARY (REGD NO. 225/08)
 GOVT OF JHARKHAND
 HARIPAL



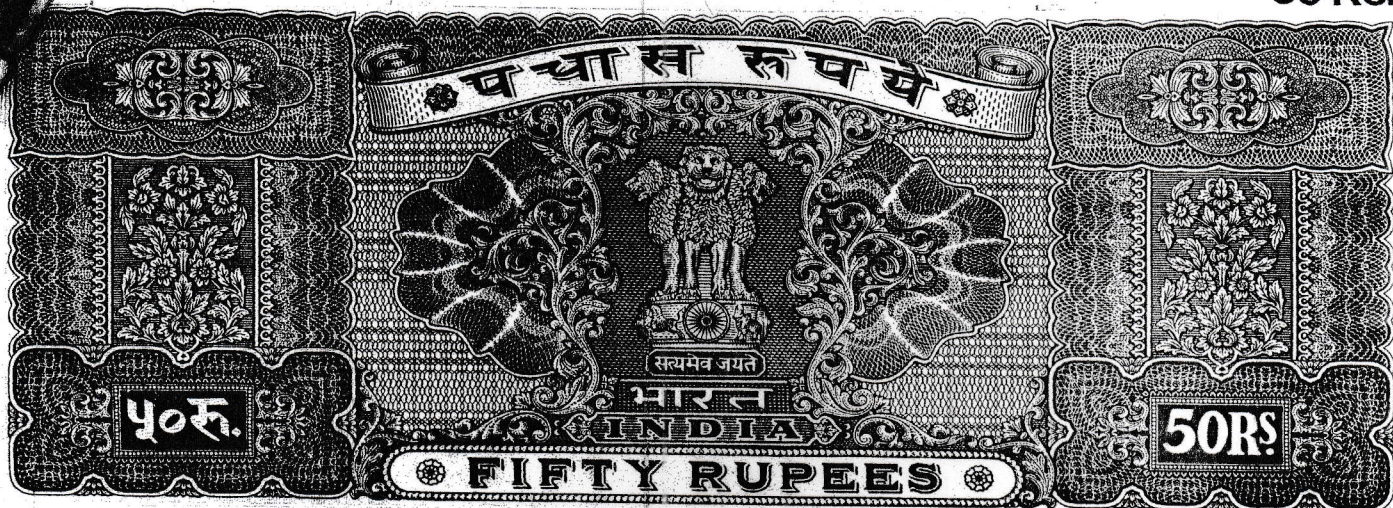
बिनाद कुमर

पालिका पुराना वार्ड नं १२ नया ४ हेलडींग नं ४६
की मुक्त केवाला दाता श्री खिन्द कुमार और मेरी
आतागण क्रमशः आशोक कुमार वी भाजरा कुमार
वी माता श्री प्रति नन्द रानी देवी के पास बिक्री
कर दिला ।

में केवाला दाता श्री खिन्द कुमार अपने
उपरिक्र आता गण एवं माता क्रमशः आशोक कुमार
भाजरा कुमार वी नन्द रानी देवी के साथ उफे खरीदगी
सम्पत्ति पर दखल कब्जा लेकर तथा मंचला-स्फिकारी
देवघर के कार्यालय में नामान्तरण मुकदमा संख्या
२२३/७४-७५ दिनांक २७-१२-७४ के आदेशानुसार
इजमाल में नाम दर्ज करवाकर वार्षिक मालगुजारी
आदात करते हुये वी निर्विवाद रूप से इजमाल
में भोग दखल करते हुये in the cover of
the S.D.M. Deoghar mise petition No 351/1990
Smt Nand Rani Devi vs Ashok Kumar
Sah order dated 8.6.1990 के आदेशानुसार

सत्य १९९०

ATTESTED
NOTARY (REGD NO. 258)
GOVT. OF JHARKHAND
DIST. DEOGHAR



विनीत कुमार

अमीन द्वारा उक्त सम्पत्ति का अंश बंटवारा कर लेने पर उक्त Petition NO 351/90 के संलग्न नक्से नारंगी रंग से रंगा हुआ अंश मार्क "A" रकबा 36026 वर्गफीट उपरोक्त मुक्त केवाला दाता श्री विनीत कुमार के हिस्से में मिली है और मैं केवाला दाता उपरोक्त आपने हिस्से की सम्पत्ति पर absolute owner विनीत कुमार से दखलदार हूँ, और उसके कुछ अंश को केवल इसके विक्री कर चुका हूँ,

अमीन मुक्त केवाला दाता को आपने अखरी शंशारीक खर्च के लिये लपने की माह्यत आवश्यकता है, इसलिये आपने हिस्से के अन्दर कुछ अंश जिसका पूरा खिरेण निम्न तफसील में वर्णित है विक्री करने का शौहरत किया और आप केवाला ग्रहित उसे खरीद करने का इरादा जाहिर करने पर अमीन के बाजार दर से और दोनो पक्षों की मंजूरी से उसका कीमत मी 330000 तीस हजार लपना कायम हुआ

सत्यवती 1/3/90

ATTES...
NOTARY (REGD NO. 425/04)
GOVT. OF JHARKHAND
JHARKHAND INDIA



बिना उगा

आजकल आज तारीख में केवाला दाता
आप केवाला ग्रहण से लगद मोठ 33,000) तैनीस
हजार लपचा एक मुस्त पाकर लिन तफसील में
वर्कित सम्पत्ति की वसूलीव सामिल शुदा नक्सा में
लाल रंग से रंगा हुआ अंश आपके पास खिरी
कर दिला और आपके दखल में दे दिला ,

आव आप केवाला ग्रहण मुक्त
केवाला दाता के सत्व व दखल से सत्ववती व
दखलकारीगी होकर मज आपने पुल- पौतगदि वारीसान
व स्वाला-मिषिके गण क्रम से भोग दखल
दान खिरी मोरगोज व नाना प्रकार के वारदेन
तथा दाण-संचुक्र व हस्तान्तरादि करने की शीष-
कारीगी होकर स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल फरती
रहे इसमें मुक्त केवाला दाता मज वारीसान की
किसी तरह का उज्र एतराज नही होगा न कोई
कर सकेगा अगर कोई करे तो वह उसे मदालत
नमाजज और वातिले होगा ,

सच १९९१



केसरी ५३३१८

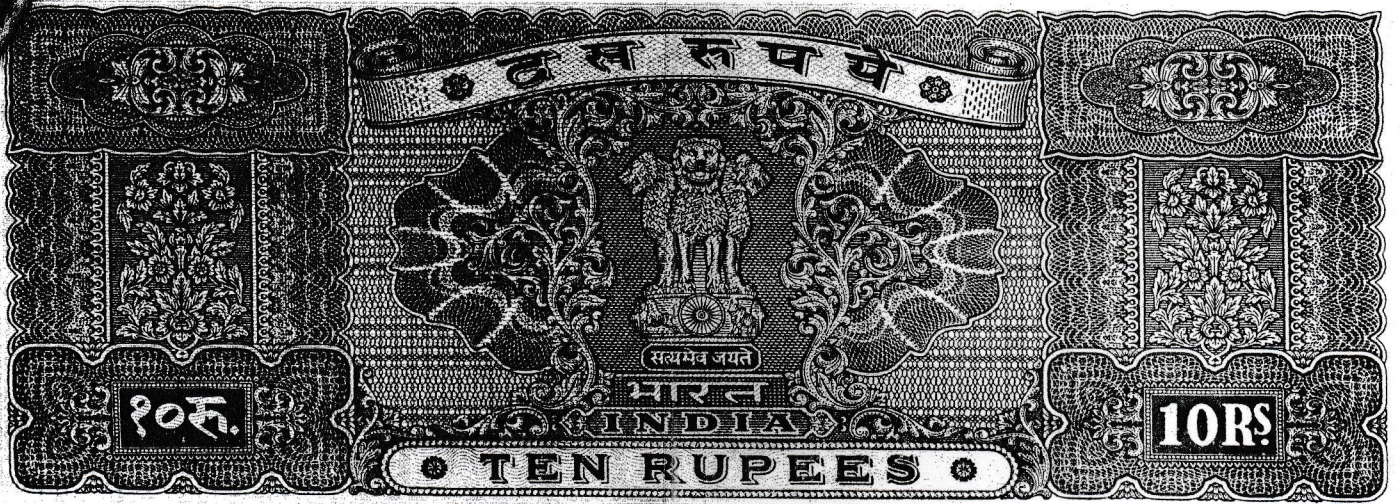
निम्न विफ्रीत सम्पत्ति मुक्त केवाला दाता के हितों की हैं जिसका मैं केवाला दाता ही एक मात्र मालिक हूँ इसमें कोई दूसरा अंशदार या दखलदार नहीं है व इसके पहले निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति को किसी के पास किसी तरह का दावा-संचुक्र या हस्तांतर आदि नहीं किया है हर तरह से साफ वी पाक है ।

उपरोक्त उक्तिों के खिलाफ अगर साबित हो या आपकी खरीदगी हक में किसी तरह का खलल पहुँचे या दोष निकले तो ऐसी घातक में मैं केवाला दाता कानून के अमल में लाया जाऊँगा ।

निम्न विफ्रीत सम्पत्ति के वास्तविक अगर अधिष्ठा में मुक्त केवाला दाता को कुछ लिखनी या करने की जरूरत पड़े पर उस हालत में मैं केवाला दाता आप केवाला गृहित के अनुरोध एवं खर्च से वेसा करने या

सत्य वी ५३३१८

ATTESTED
 27.7.14
 ACTARY (REGD NO. 225104)
 COURT OF JUDICIAL OFFICERS
 DISTRICT JALANDHAR



विनोद कुमार

लिखने के लिये तैयार रहूँगा,
 उपरोक्त मुकदमा केवल दाता के भ्राता
 आशोक कुमार साह ने उक्त case position NO
 351/1990 suit Nand Rani Devi VS Ashok
 Kumar Sah under dated 8-6-90 के विरोध
 (in the court of the subordinate judge
 1st at Deoghar Dist Deoghar Title suit
 NO 118/1993 Ashok Kumar Sah VS suit
 Nand Rani Devi) मुकदमा दाता किला जिले
 उक्त अदालत के आदेश दिनांक 6-5-88 के
 अनुसार उक्त मुकदमा को अस्कारित कर दिया
 गया, उपरोक्त आशोक कुमार साह ने पुनः व अदालत
 तृतीया अपर जिला न्यायाधीश देवघर जिला देवघर
 सी. एम. ए. नं 90/9-8-88 आशोक साह बनाम
 नन्द रानी देवी वर्गोह मुकदमा दाता किला
 जिले उक्त अदालत के आदेश दिनांक

सत्य ही है

ATTES BY
 JUDGE (REGD) COURT OF JHARKHAND
 DEOGHAR (INDIA)



सत्यमेव जयते

१२-३-६६ के अनुसार उक्त मुकदमा को खारिज कर दिया गया, पुनः व आदालत अवर न्यायाधीश देवप्र साह देवप्र के न्यायालय में उक्त टी. एस. केश नर ११२/१६६३ अशोक साह बनाम बन्दी रानी देवी आदेश दिनांक ११/१२/१६६६ के अनुसार उक्त मुकदमा खारिज कर दिया गया;

आतएव आज तारीख में केवाला दाता अपनी स्वेच्छा से मन और शरीर की स्वस्वता में रहकर बिना किसी के दबाव या बहकाव के कीमत का कुल हफ्ता नगद एक मुस्त पाकर गह बिक्री कोश केवाला दलील लिख दिया जो तमरा अनरी काम आवे इति ता:-

सत्यमेव जयते

तफसील सम्पत्ति

गाना नं ५२२ जिला देवप्र सबडिविजन की सवरजिठड़ी देवप्र गाना देवप्र सामिल

ATTESTED
 30/11/1966
 JUDGE
 DEWAPUR (INDIA)

बिना ५ अक्षर

मौजा मौसागढ़ी के आन्दर बसोड़ी सख की
जमीन रकबा १२५२ वर्गफीट सिनेमुमलै टाउन
प्लान प्लॉट नं ७ वी ई का भांश जमाबन्दी
नं ५६७ आन्दर हलका देवपार नगर-पालिका
वार्ड नं ४ बसोजीव सामिल शुदा नक्सा में
लाल रंग से रंगा हुआ भांश मज कुल
हक हकुक बिक्री किला जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर :- केवाला दाता का जमीन श्री श्री मति
सखवती देवी के पास बिक्री कर रहे हैं,
इच्छर की माप ६६'-०" फीट
दक्खिन :- श्री मति कविता मां की जमीन
इच्छर की माप ६४'-०" फीट

पूरब :- २०'-०" फीट चौड़ा कच्चा रोड
इच्छर की माप १२'-२" फीट

पच्छिम :- भाजीत मां की जमीन
इच्छर की माप १२'-२" फीट

सत्य वही है

ATTESTED
25.5.21
NOTARY (REGD NO. 225/BA
GOVT OF JHARKHAND
HILL CHHATTAR (INDIA)

बिनीय कुमार

फरीकेंन की
दस्तावेज पढ़कर
सुना व समझा
दिना.
का: मुकेश सहज
देवघर

प्रमाण :- विक्रीत सम्पत्ति पक्की सड़क से 939'-0"
मीटर के बाद है निर्धारित मूल्य पर स्थग
दियी दिला गया है.

बिनीय कुमार

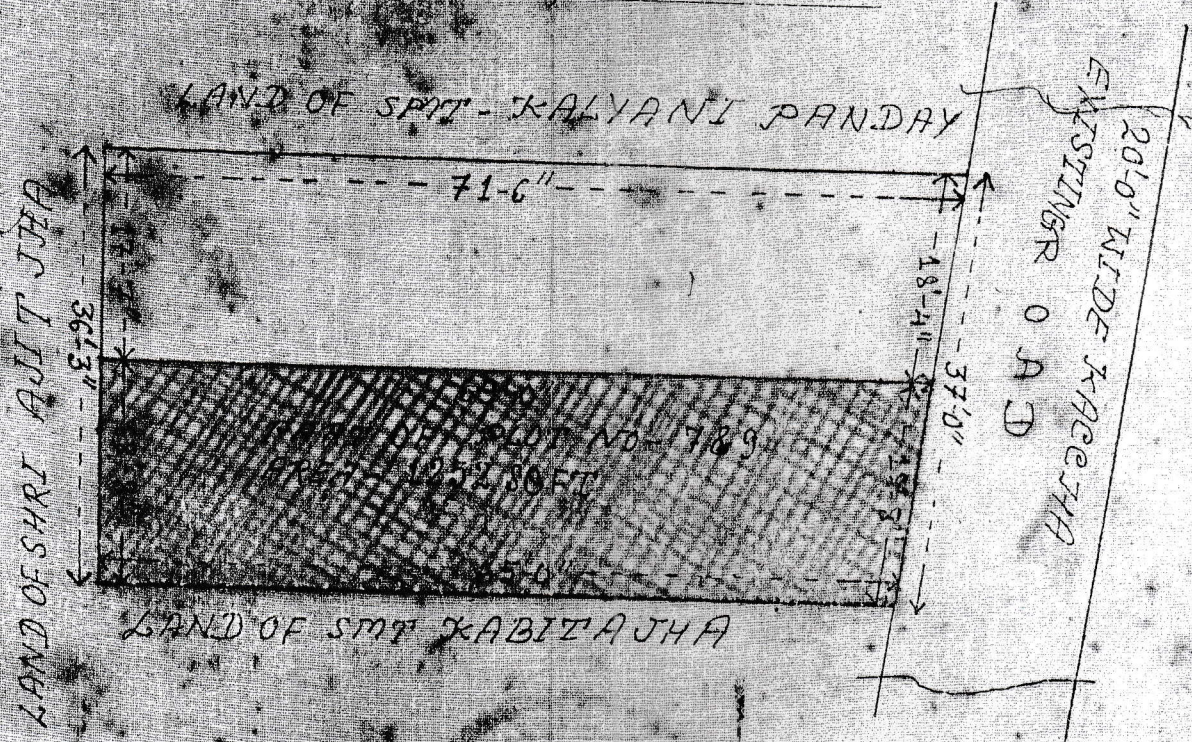
जवादान

अजय कुमार, बिलासी टाउन, देवघर
महेन्द्र कुमार बिलासी 213 नं देवघर ।
14.10.2000

सत्य श्री देवी

ATTESTED
27/10
NOTARY (REGD NO. 225104)
GOVT OF JHARKHAND
NET JHARKHAND

PART OF LAND UNDER MOUZA-JHONSAGARHT, NO-582,
 UNDER DEOGHAR MUNICIPAL, WARD NO-4, DIST-DEOGHAR
 UNDER TB NO-58, PART OF PLOT NO-7 & 9, AREA-1252-38
 SQ FT SKETCHED IN RED COLOUR, BELONGS TO SHREE BINOD
 KUMAR, S/O LATE RAMAR NATH SHAH OF BILAST TOWN
 B DEOGHAR, AND NOW SOLD TO SMT SATYAWATI DEVI
 W/O SHREE ASHOK KUMAR, AT MUJALLA-KATRACHAK,
 GOLA ROAD, PS. DIVISION AND DIST. SEKHAPURA.
 (SCALE - 1 INCH = 10 FEET)



(Faint handwritten notes and signatures, including 'श्री १२/११/१९' at the bottom left)

(Faint signature)

Inwch By:-
 G. N. Agrawal
 16-10-2000

ATTESTED
 (REGD NO. 27118)
 GOVT OF JHARKHAND
 DIST DEOGHAR (INDIA)